The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

रांची

26/03/2019

इकफ़ाई विश्वविद्यालय में ग्रामीण उद्यमिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

आज इकफ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड में नाबार्ड के सहयोग के साथ, "समावेशी आर्थिक विकास के लिए ग्रामीण उद्यमशीलता - अवसर और चुनौतियां" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया गया । सम्मेलन में रामकृष्ण मिशन आश्रम, झारखंड सरकार, नाबार्ड, एक्सआईएसएस, टीआरआईएफ़ईडी, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय जैसे संगठनों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों और अकादमिक, अनुसंधान और सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में 66 शोद पत्रों को प्रकाशित किया गया था, जिनमें से 28 सफल ग्रामीण उद्यमियों के अध्ययन थे तथा झारखंड के 9 जिलों के 18 ग्रामीण उद्यमियों ने प्रदर्शनी के दौरान अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया और अपनी उद्यमशीलता यात्रा को साझा किया।

रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अंतरानंद और झारखंड राज्य के कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव, श्री सुनील कुमार सिन्हा, नाबार्ड के प्रबंधक श्री विपुल अग्रवाल, उद्घाटन समारोह में सम्मानित अतिथि थे।

सम्मेलन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, की "आजादी के 70 साल बाद भी, 68% से अधिक भारतीय आबादी गांवों में रहती है और उनमें से 50% से अधिक अभी भी कृषि पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर हैं"। प्रो राव ने कहा की आज के सम्मेलन के दौरान, सभी शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं, उद्योग प्रबंधकों, सरकारी अधिकारियों, गैर-सरकारी संगठनों को ग्रामीण उद्यमियों के अवसरों के साथ-साथ चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एक साझा मंच पर लाया गया है ताकि उपयुक्त समाधानों पर काम किया जा सके।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, स्वामी अंतरानंद ने कहा, "ग्रामीण उद्यमिता को विकसित करने के लिए, मानव को विकसित और ऊर्जावान होना चाहिए"। श्री सुनील कुमार सिन्हा ने झारखंड सरकार द्वारा ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया।

रजिस्ट्रार डॉ। बीएम सिंह ने उद्घाटन समारोह का धन्यवाद ज्ञापन किया।

सम्मेलन में श्री प्रदीप कुमार हजारी, (विशेष सचिव, कृषि विभाग) ने झारखंड के ग्रामीण उद्यमियों के केस स्टडीज पर सत्र की अध्यक्षता की, जिसके बाद पैनल चर्चा में डॉ0 हरपेत अहकुवालिया, (एचओडी, उद्यमिता विकास, एक्सआईएसएस), श्री सिद्धार्थ जायसवाल, (सीईओ, बिजनेस डेवलपमेंट, बीएयू) और बटरफ्लाई परियोजना की निदेशक सुश्री मालविका शर्मा ने भाग लिया।

डॉ0 एके सिंह, (प्रमुख, आईसीएआर) ने पेपर प्रस्तुतियों पर सत्र की अध्यक्षता की। श्री एडी मिश्रा, क्षेत्रीय प्रबंधक, ट्राइफेड, वैलेडिकटरी सत्र के लिए सम्मानित अतिथि थे, जिसमें शीर्ष 3 सर्वश्रेष्ठ पत्रों के लेखकों को मान्यता के पुरस्कार प्रदान किए गए इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ स्टाल लगाने वाले उद्यमी तथा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुत करने वाले छात्रों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 हरि हरन ने समापन समारोह टिप्पणी दी।

======